बाघ का शव | कुएं में पत्थर से बंधे मिले बाघ के दांत

जंगल क्षेत्र में बाघ का शव मिलने से सनसनी, तीन गिरफ्तार

नवभारत, बैहर। परिक्षेत्र पूर्व बैहर (सा.) अंतर्गत बीट जत्ता के जंगल क्षेत्र में एक बाघ का शव प्राप्त हुआ। घटना की सूचना पर उच्च स्तरीय अधिकारियों के निर्देशन में, एनटीसीए की गाइडलाइन के अनुसार चिकित्सकों की टीम द्वारा शव परीक्षण (पोस्टमार्टम) किया गया तथा एफएसएल हेतु आवश्यक नमूने संकलित किए गए।

पोस्टमार्टम के दौरान चिकित्सकों द्वारा बताया गया कि बाघ के चारों केनाइन दांत अनुपस्थित पाए गए। इस पर वनमंडलाधिकारी महोदय के निर्देशन में एक विशेष टीम गठित की गई एवं डॉग स्क्वॉड की सहायता से सघन सर्च अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान ग्राम जत्ता के एक कुएं से, जिसमें झिल्ली में पत्थर बांधकर दांत फेंके गए थे, पम्प के माध्यम से पानी निकालकर चारों केनाइन दांत सफलतापूर्वक बरामद किए गए।

प्रथम दृष्टया यह ज्ञात हुआ कि अज्ञात आरोपियों द्वारा लालचवश बाघ के दांत निकाल लिए गए थे, परन्तु विभागीय कार्यवाही की आशंका से उन्होंने उन्हें कुएं में फेंक दिया। बाघ की मृत्यु के वास्तविक कारणों की पुष्टि स्लरूरिपोर्ट प्राप्त होने के पश्चात ही की जा सकेगी, तथापि पोस्टमार्टम करने वाली चिकित्सकीय टीम के अनुसार प्रथम दृष्टया मृत्यु स्वाभाविक प्रतीत होती है।

उल्लेखनीय है कि बाघ की औसत आयु लगभग 12 ह 2 वर्ष होती है तथा मृत बाघ की अनुमानित आयु भी इसी के आसपास पाई गई है।

उक्त प्रकरण में वन अपराध क्रमांक 2561/81 दिनांक 23/04/2026 पंजीबद्ध कर वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972 की धारा 2(16), 9, 39, 49क एवं 51 के अंतर्गत विवेचना की गई। प्रकरण में निम्नलिखित तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया।

अशोक उइके, पिता रूप सिंह, उम्र 33 वर्ष, निवासी जत्ता, तहसील बैहर, जिला बालाघाट

भुनेश तेकाम, पिता कमल सिंह, उम्र 32 वर्ष, निवासी जत्ता, तहसील बैहर, जिला बालाघाट

सालिकराम, पिता मंगल सिंह, उम्र 60 वर्ष, निवासी जत्ता, तहसील बैहर, जिला बालाघाट

उक्त तीनों आरोपियों को माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत कर जेल चालान किया गया एवं उपजेल बैहर भेजा गया।

इस सम्पूर्ण कार्यवाही में परिक्षेत्र सहायक अधिकारी मोहगांव श्री आशीष नागेश्वर, वनरक्षक संदीप ओझा, वनरक्षक राजेश मेलानी, वनरक्षक अजय चन्द्रवंशी, वनरक्षक राजेन्द्र दुबे, वनरक्षक दीपक सिंह, वनरक्षक ओमकार चौधरी, वनरक्षक सूरज नायक, वनरक्षक सलमान हैदरी तथा सुरक्षा श्रमिकों का विशेष योगदान रहा।

मध्य प्रदेश में जलीय जंगली भैंसों का पुनर्स्थापन

कान्हा के सूपखार रेंज में लौटेगा जंगली भैंसा

नवभारत, बैहर। बालाघाट एवं मण्डला जिले के अंतर्गत आने वाले कान्हा टाइगर रिजर्व के सूपखार रेंज में करीब 45 वर्षों से विलुप्त जंगली भैंसा (एशियाई वाइल्ड बफैलो) एक बार फिर लौटने जा रहा है। इस ऐतिहासिक पहल की शुरुआत 28 अप्रैल को होगी, जब मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव स्वयं सूपखार पहुंचकर असम के काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान से लाए गए 4 जंगली भैंसों को जंगल में छोड़ेंगे। इनमें 03 मादा एवं 01 नर जंगली भैसा है। इस अवसर पर जिले के प्रभारी मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह, अन्य गणमान्य नागरिक एवं अधिकारी उपस्थित रहेंगें।

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के प्रेरणादायक नेतृत्व में और आसाम के मुख्यमंत्री श्री हेमंत विस्वा शरमा के सहयोग से मध्य प्रदेश वन विभाग की ओर से संरक्षण की दिशा में एक और ऐतिहासिक पहल की गई है, जिसमे प्रदेश में एक लुप्तप्राय प्रजाति (जंगली जल भैंसा) को उसके ऐतिहासिक क्षेत्र में पुनर्स्थापित करने की ऐतिहासिक संयुक्त पहल असम वन विभाग और मध्य प्रदेश वन विभाग द्वारा की गई है जिसमे आसाम के काजीरंगा बाघ अभ्यारण्य से कान्हा बाघ अभ्यारण्य में 50 एशियाई जंगली जल भैंस (बुबालस आर्नी) को पुनर्स्थापित किया जायेगा।

इस संयुक्त पहल का उद्देश्य इस विशाल शाकाहारी जंगली प्रजाति को मध्य भारत में उनके ऐतिहासिक निवास क्षेत्र में पुन: स्थापित करना है, जहाँ वे एक सदी से अधिक समय से स्थानीय रूप से विलुप्त हो चुके हैं और उनके प्राकृतिक चरने के व्यवहार का लाभ उठाकर कान्हा घास के मैदानों में लंबी घास की प्रजातियों का प्रबंधन करना और जैव विविधता को बढ़ाना है।

काजीरंगा से 'संस्थापक आबादी' के तौर पर कुल 50 जानवरों को स्थानांतरित किया जाना है, और 8 जानवर मॉनसून से पहले वहाँ पहुँचने वाले हैं।

अंतर-राज्यीय सहयोग के इस महत्वपूर्ण अभियान के प्रथम चरण में 19 मार्च से 10 अप्रैल 2026 के बीच, काजीरंगा के मध्य और पूर्वी क्षेत्रों से 7 किशोर भैंसों को पकड़ा गया। तत्पश्चात क्वारंटाइन प्रोटोकॉल सुनिश्चित करने के लिए, पकड़े गए जंगली जल भैंसों को 1 हेक्टेयर के विशेष बोमा (बाड़े) में रखा गया। इस क्वारंटाइन पीरियड के दौरान भैंसों के स्वास्थ्य की निगरानी परिक्षण किया गया साथ ही परिवहन वाहनों में स्थानांतरण के दौरान भैंसों के संभावित तनाव को कम करने का प्रयास किया गया।

क्वारंटाइन प्रोटोकॉल पूर्ण होने के पश्चात जंगली भैंसों का स्थानांतरण 25 अप्रैल 2026 को 4 जंगली भैंसों ने काजीरंगा से कान्हा टाइगर रिज़र्व तक की अपनी 2000 किलो मीटर की यात्रा शुरू की है। इनका स्थानांतरण काजीरंगा और कान्हा, दोनों जगहों के वरिष्ठ अधिकारियों और अनुभवी पशु चिकित्सकों की देखरेख में किया जा रहा है, जो दिनांक 28 अप्रैल 2026 को कान्हा टाइगर रिज़र्व में पहुचेंगे। जिन्हें दिनांक 28 अप्रैल 2026 को मुख्यमंत्री, डॉ मोहन यादव द्वारा सूपखार, कान्हा टाइगर रिज़र्व में स्थित बाड़े में सॉफ्ट रिलीज़ किया जाएगा। यह स्थानीय रूप से विलुप्त हो चुकी यह प्रजाति उनके ऐतिहासिक क्षेत्र (कान्हा) में जैव विविधता को बढ़ावा देगा और कान्हा टाइगर रिज़र्व में घास के मैदानों वाले पारिस्थितिकी तंत्र के प्रबंधन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

उल्लेखनीय है कि कान्हा के सूपखार क्षेत्र में जंगली भैंसों को आखिरी बार वर्ष 1979 के आसपास देखा गया था, जिसके बाद यह प्रजाति यहां से पूरी तरह विलुप्त हो गई। वन्यजीव विशेषज्ञों के अनुसार, बीमारियों, शिकार, आवास में कमी और मानव दबाव जैसे कारणों से इनकी संख्या लगातार घटती गई और अंतत: इनका अस्तित्व समाप्त हो गया। अब वन विभाग द्वारा जंगली भैंसा पुनर्स्थापना परियोजना के तहत इस प्रजाति को फिर से बसाने का प्रयास किया जा रहा है। इसके लिए, काजीरंगा से चयनित भैंसों को लाकर सूपखार रेंज में अनुकूल वातावरण में छोड़ा जा रहा है।

अर्णव अरुण तुमसरे का युविका 2026 में चयन

अब इसरो में प्रशिक्षण प्राप्त कर अंतरिक्ष अनुसंधान के हुनर सीखेंगे अर्णव

नवभारत, बालाघाट। विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में जिले के लिए गर्व का एक और सुनहरा अध्याय जुड़ गया है। पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय बालाघाट के कक्षा 10 वीं के मेधावी छात्र अर्णव अरुण तुमसरे का चयन भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) द्वारा आयोजित राष्ट्रीय स्तर के प्रतिष्ठित युवा वैज्ञानिक कार्यक्रम 'युविका-2026' में हुआ है। यह उपलब्धि न केवल अर्णव और विद्यालय, बल्कि पूरे जिले और प्रदेश के लिए सम्मान का विषय है।

देशभर में स्टेम (विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित) आधारित शिक्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित इस कार्यक्रम में इस वर्ष कुल 456 विद्यार्थियों का चयन किया गया, जिनमें मध्य प्रदेश राज्य से केवल 13 छात्र शामिल हैं। इन चुनिंदा विद्यार्थियों में पी एम श्री केंद्रीय विद्यालय बालाघाट के प्रतिभाशाली छात्र अर्णव का नाम विशेष रूप से उल्लेखनीय है। खास बात यह भी है कि केंद्रीय विद्यालय संगठन, जबलपुर संभाग से केवल एक ही छात्र चयनित हुआ है, और वह अर्णव अरुण तुमसरे हैं। यह उपलब्धि उनकी असाधारण प्रतिभा और समर्पण को दर्शाती है।

युविका कार्यक्रम में चयन के लिए कई स्तरों पर कठिन मानदंड निर्धारित होते हैं, जिनमें शैक्षणिक उत्कृष्टता, वैज्ञानिक दृष्टिकोण, और विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में रुचि के आधार पर अर्णव ने इन सभी मानकों पर अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन, कड़ी मेहनत और विज्ञान शिक्षकों के कुशल मार्गदर्शन से सफलता प्राप्त की। उनकी विज्ञान के प्रति जिज्ञासु प्रवृत्ति और सीखने की लगन ने उन्हें इस मुकाम तक पहुंचाया है।

इस कार्यक्रम के अंतर्गत अर्णव को इसरो द्वारा 12 दिनों का विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा। इस दौरान उन्हें इसरो की प्रमुख वैज्ञानिक प्रयोगशालाओं का भ्रमण करने, अंतरिक्ष अनुसंधान, रॉकेट प्रक्षेपण, उपग्रह प्रक्षेपण आदि की बारिकियों को समझने और आधुनिक तकनीकों को करीब से देखने का अवसर मिलेगा। इतना ही नहीं, उन्हें देश के शीर्ष वैज्ञानिकों के साथ संवाद करने और उनसे सीधे सीखने का अनमोल अवसर भी प्राप्त होगा, जो उनके भविष्य को नई दिशा देगा।

अर्णव की इस ऐतिहासिक सफलता पर विद्यालय परिवार में उत्साह का माहौल है। विद्यालय के प्राचार्य श्री अरुण कुमार तुमसरे, विज्ञान विभाग के शिक्षकों और समस्त स्टाफ ने उन्हें बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। प्राचार्य ने कहा कि अर्णव की उपलब्धि अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगी और उन्हें भी बड़े सपने देखने और उन्हें साकार करने के लिए प्रोत्साहित करेगी।

'कैच द रेन' अभियान से मिलेगा जल संकट से स्थायी समाधान

जल संरक्षण की दिशा में मलाजखंड बना मिसाल

नवभारत, बालाघाट। जल संकट जैसी गंभीर चुनौती से निपटने के लिए नगर पालिका परिषद मलाजखंड ने एक सराहनीय और दूरदर्शी पहल करते हुए 'कैच द रेन' अभियान को जन-आंदोलन का रूप देना शुरू कर दिया है। जलगंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत नगर में तेजी से रेन वॉटर हार्वेस्टिंग सिस्टम स्थापित किए जा रहे हैं, जिससे आने वाले समय में पानी की समस्या से स्थायी राहत मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

नगर पालिका परिषद द्वारा अपने सभी आवासीय भवनों और तीन मंजिला कार्यालय भवन को रेन वॉटर हार्वेस्टिंग युक्त बना दिया गया है। इसके साथ ही नगर के दो सामुदायिक भवनों में भी यह आधुनिक सिस्टम सफलतापूर्वक स्थापित किया जा चुका है, जो जल संरक्षण के प्रति प्रशासन की गंभीरता और प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी दिनेश बाघमारे ने सभी नगरवासियों से जल संरक्षण के महत्व को समझते हुए अपने-अपने घरों में रेन वॉटर हार्वेस्टिंग सिस्टम लगाने की अपील की है उन्होंने कहा कि वर्षा जल का संरक्षण कर हम न केवल वर्तमान जल संकट से राहत पा सकते हैं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए भी पानी की अमूल्य धरोहर को सुरक्षित रख सकते हैं। उन्होंने यह भी बताया कि 'हर घर रेन वॉटर हार्वेस्टिंग' की पहल से नगर में भूजल स्तर में सुधार होगा और जल संकट की समस्या का स्थायी समाधान संभव हो सकेगा।

सीएमओ दिनेश बाघमारे ने जानकारी देते हुए बताया कि नगर परिषद की कॉलोनी में कुल 30 आवास हैं, जिनमें से 26 पक्की छत वाले मकानों में जल संरक्षण की व्यवस्था पूरी कर ली गई है। साथ ही पिछले मात्र 20 दिनों में 75 निजी एवं शासकीय भवनों को इस अभियान से जोड़ा गया है, जो नगर में जल संरक्षण के प्रति बढ़ती जागरूकता और प्रशासन की सक्रियता का प्रमाण है। नगर में जल्द से जल्द सभी भवनों में रेन वॉटर हार्वेस्टिंग सिस्टम स्थापित करने का लक्ष्य रखा गया है, जिसमें सभी नवनिर्मित घरों में रेन वॉटर हार्वेस्टिंग सिस्टम को अनिवार्य किया जा चुका है।

कबाड़ से जुगाड़: अनुपयोगी वस्तुओं से सजा कचरा घर

नवभारत, बैहर। बालाघाट जिले की नगर पालिका परिषद मलाजखंड ने स्वच्छता की दिशा में एक अनूठी पहल करते हुए 'कबाड़ से जुगाड़' के माध्यम से ठोस अपशिष्ट प्रबंधन केंद्र लोरा का स्वरूप पूरी तरह बदल दिया है। स्वच्छता सर्वेक्षण 2025-26 की तैयारियों के तहत अनुपयोगी वस्तुओं का रचनात्मक उपयोग कर कचरा घर को आकर्षक गार्डन और जागरूकता केंद्र के रूप में विकसित किया गया है।

लोरा स्थित अपशिष्ट प्रबंधन केंद्र में पुराने टायर, लोहे के कबाड़ और प्लास्टिक सामग्री का उपयोग कर रंग-बिरंगे गमले, बैठने की व्यवस्था और सजावटी संरचनाएं बनाई गई हैं। इन नवाचारों से जहां परिसर की सुंदरता बढ़ी है, वहीं यह स्थान अब नागरिकों के लिए प्रेरणादायक मॉडल बन गया है। बड़ी संख्या में लोग यहां पहुंचकर इस अनोखी साज-सज्जा की सराहना कर रहे हैं।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी दिनेश बाघमारे ने बताया कि नगर पालिका द्वारा 3R (रिड्यूस, रियूज और रिसाइकल) के सिद्धांत को अपनाकर ठोस अपशिष्ट प्रबंधन को मजबूत किया जा रहा है। केंद्र में एकत्रित जैविक कचरे से जैविक खाद तैयार की जा रही है, जिसका उपयोग परिसर में विकसित गार्डन और हरियाली बढ़ाने में किया जा रहा है। साथ ही इस खाद के विक्रय से नगर पालिका को अतिरिक्त आय भी प्राप्त हो रही है।

नगर पालिका द्वारा प्रतिदिन शहर का कचरा एकत्र कर वैज्ञानिक पद्धति से उसका पृथक्करण और निपटान किया जाता है। गीले और सूखे कचरे को अलग-अलग कर पुन: उपयोग योग्य सामग्री का पुनर्चक्रण सुनिश्चित किया जा रहा है। इस प्रक्रिया से पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिल रहा है और शहर में स्वच्छता का स्तर लगातार बेहतर हो रहा है।

नगर पालिका परिषद मलाजखंड की यह पहल न केवल स्वच्छता को बढ़ावा दे रही है, बल्कि नागरिकों को भी संदेश दे रही है कि अनुपयोगी वस्तुओं का सही उपयोग कर स्वच्छता और सौंदर्य दोनों को संवारा जा सकता है।

आदि गुरु शंकराचार्य जयंती पर ज्ञान और संस्कृति का संगम

व्याख्यानमाला में गूंजा अद्वैत वेदांत का संदेश

नवभारत कटंगी 27 अप्रैल। मप्र जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक श्री सुशील बर्मन एवं ब्लॉक समन्वयक सुरेन्द्र भगत के मार्गदर्शन में रविवार को आदि गुरु शंकराचार्य जयंती के पावन अवसर पर राजा भोज शासकीय महाविद्यालय में व्याख्यानमाला का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ आदि गुरु शंकराचार्य के छायाचित्र के समक्ष विधिवत पूजन एवं माल्यार्पण के साथ हुआ, जिससे पूरे वातावरण में आध्यात्मिक ऊर्जा और सांस्कृतिक गरिमा का संचार हुआ। इस अवसर पर ब्लॉक समन्वयक श्री सुरेन्द्र भगत, नवांकुर संस्था अभ्युदय सामाजिक विकास संस्था के प्रतिनिधि संदीप शर्मा, भाजपा मंडल अध्यक्ष श्री मुकेश चौकसे सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

छात्राओं ने शंकराचार्य के दर्शन पर डाला प्रकाश

कार्यक्रम में सीएमसीएलडीपी की छात्राओं उर्वशी पटले, गंगा पंचेश्वर एवं टिवंकल बाघमारे सहित अन्य विद्यार्थियों ने आदि गुरु शंकराचार्य के जीवन, उनके अद्वैत वेदांत दर्शन तथा उनके द्वारा स्थापित चार प्रमुख मठ श्रृंगेरी शारदा पीठम, द्वारका शारदा पीठ, गोवर्धन मठ पुरी एवं ज्योतिर मठ—पर सारगर्भित एवं प्रभावशाली प्रस्तुति दी।

शंकराचार्य ने सनातन ज्ञान परंपरा को सुदृढ़ आधार प्रदान किया

वक्ताओं ने अपने उद्बोधन में बताया कि आदि गुरु शंकराचार्य ने अल्पायु में ही अद्वितीय ज्ञान अर्जित कर अद्वैत वेदांत के सिद्धांत को जन-जन तक पहुंचाया। मात्र 8 वर्ष की आयु में संन्यास धारण कर उन्होंने संपूर्ण भारत का भ्रमण किया और धार्मिक, दार्शनिक एवं सांस्कृतिक एकता का संदेश दिया। अपने केवल 32 वर्षों के जीवनकाल में उन्होंने वेद, उपनिषद एवं श्रीमद्भगवद्गीता पर भाष्य लिखकर सनातन ज्ञान परंपरा को सुदृढ़ आधार प्रदान किया।

इनकी रही उपस्थिति

कार्यक्रम का संचालन परामर्शदाता अरविंद दरवाडे द्वारा प्रभावी एवं सुव्यवस्थित ढंग से किया गया। इस अवसर पर परामर्शदाता राज ब्यौत्रा, अंजू डोंगरे, शालू राऊत, अवलेश पारधी सहित सीएमसीएलडीपी के छात्र-छात्राएं बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

पता पूछ युवक से लूट

जबलपुर। अधारताल थाना अंतर्गत कृषि नगर में लुटेरे ने एक युवक से पता पूछा और झपट्टा मारकर उसका मोबाइल लूट लिया। पुलिस ने रिपोर्ट पर प्रकरण दर्ज कर पतासाजी शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक रविवार को अभय पटेल 19 वर्ष निवासी नेता कॉलोनी ने रिपोर्ट दर्ज करायी कि सुबह 8 बजे बडे पापा के घर सुभाष नगर से पैदल अपने घर आ रहा था सीएम राईज स्कूल के बाजू से कृषिनगर रोड अधारताल पहुंचा, तभी एक व्यक्ति एक्सिस स्कूटी से उसके पास आया एवं उससे किसी का पता पूछते हुये अचानक उसके हाथ से मोबाईल झपट्टा मारकर छीन लिया एवं तेजी से भाग गया।

थाने में बदमाश ने दर्ज नहीं कराई हाजरी

दण्डाधिकारी के आदेश का उल्लंघन, प्रकरण दर्ज

जबलपुर। अधारताल थाने में निगरानी बदमाश ने थाने में हाजरी दर्ज न कराते हुए जिला दण्डाधिकारी के आदेश का उल्लंघन किया। जिस पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर लिया है।

पुलिस के मुताबिक आकाश रैकवार 26 वर्ष निवासी खेरमाई मंदिर के पास अधारताल का एक अपराधिक प्रवृत्ति का युवक है जिसके खिलाफ कई अपराध दर्ज होकर न्यायालय में विचाराधीन है, जिसकी आपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने जिला बदर का प्रकरण तैयार कर जिला दण्डाधिकारी को प्रेषित किया गया था जिससे सहमत होते हुये जिला दण्डाधिकारी जबलपुर द्वारा 2 फरवरी 2026 को आकाश रैकवार को प्रत्येक माह की 5, 15, 25 तारीख को 4 माह तक थाने मे हाजरी दर्ज कराने आदेशित किया गया था उक्त आदेश की तामीली करा दी गयी थी जिसने 15 अप्रैल को अपनी हाजरी दर्ज करवायी थी, किंतु 25 अप्रैल को थाना आकर उपस्थिति दर्ज नहीं कराया न ही कोई सूचना दी गयीं । आकाश रैकवार द्वारा आदेश का उल्लंघन करना पाये जाने पर प्रकरण दर्ज कर उसे गिरफ्तार किया गया ।

10 चोरियों के 6 आरोपियों से 25 लाख का सामान मिला

पिकअप-स्कॉर्पियो से करते थे अनाज और गहनों की चोरी बालाघाट में पकड़ाए

नवभारत, वारासिवनी। बालाघाट पुलिस ने अनाज और गहनों की चोरी करने वाले 6 लड़कों की एक गैंग को पकड़ा है। इन लोगों ने वारासिवनी, रामपायली और कटंगी इलाकों में 10 जगह चोरियां की थीं। पुलिस ने इनके पास से करीब 25 लाख रुपए का सामान मिला है।

इस गैंग के मेन आदमी शहजाद उर्फ सज्जू ने बताया कि पहले ये लोग खेतों से फसल और सीमेंट चुराते थे। जब पुलिस ने नहीं पकड़ा, तो इनकी हिम्मत बढ़ गई। इसके बाद ये लोग खाली घरों की रेकी करने लगे और वहां से जेवर उठाने लगे।

इनका भेद तब खुला जब इन्होंने एक किसान के घर से सरसों चोरी की। पुलिस ने जब इन्हें पकड़ा और पूछताछ की, तो इन्होंने सारी चोरियों की बात मान ली। ये लोग अनाज ले जाने के लिए पिकअप और गहने चुराने के लिए स्कॉर्पियो गाड़ी का इस्तेमाल करते थे।

पुलिस को इनके पास से स्कॉर्पियो, पिकअप, ढेर सारा चावल, धान, सीमेंट, सरसों और करीब 2 लाख के जेवर मिले हैं। पुलिस अब यह पता लगा रही है कि ये लोग चोरी का माल किसे बेचते थे। पकड़े गए लड़कों के नाम शहजाद, अभय, बादल, राहुल, समीर और सोनू हैं।

प्रतिबंध | वन्यजीवों की सुरक्षा, पौधारोपण पर मांगी रिपोर्ट; 16 हजार पेड़ काटे जाने थे

केंद्र सरकार ने बॉक्साइट खनन पर रोक लगाई

नवभारत, बैहर। बालाघाट जिले की बैहर तहसील में 62 हेक्टेयर आरक्षित वन भूमि पर प्रस्तावित बॉक्साइट खनन परियोजना पर केंद्र सरकार ने फिलहाल ब्रेक लगा दिया है। केंद्रीय वन सलाहकार समिति (एफएसी) ने पर्यावरण और वन्यजीवों की सुरक्षा को देखते हुए इस फैसले को टाल दिया है। मध्य प्रदेश सरकार से कई सवालों के जवाब मांगे हैं।

यह खनन प्रोजेक्ट मेसर्स निसर्ग इस्पात प्राइवेट लिमिटेड को दिया जाना था। 117.51 हेक्टेयर के इस प्रोजेक्ट में 62 हेक्टेयर हिस्सा घने जंगलों का है। अगर यह प्रोजेक्ट शुरू होता, तो इलाके के 16,648 पेड़ों की बलि देनी पड़ती। समिति ने पाया कि यह क्षेत्र कान्हा-पेंच कॉरिडोर से सिर्फ 21 किलोमीटर दूर है और यहां बाघ, तेंदुआ, भालू और गौर जैसे जानवरों का बसेरा है।

इस प्रोजेक्ट को लेकर स्थानीय आदिवासियों में भारी गुस्सा है। 12 फरवरी को उकवा में हुए एक प्रदर्शन में आदिवासियों ने आरोप लगाया था कि सरकार ने बिना ग्रामसभा की अनुमति लिए खनन के लिए कागजी प्रक्रिया आगे बढ़ाई है। जल-जंगल-जमीन बचाने के लिए क्षेत्र में लगातार आंदोलन चल रहा है।

एक तरफ केंद्र ने तकनीकी आधार पर फाइल रोकी है, वहीं दूसरी तरफ जबलपुर के एक वकील ने कंपनी के खिलाफ पर्यावरण मंत्रालय में गंभीर शिकायत दर्ज कराई है।

शिकायत में आरोप लगाया गया है कि कंपनी के परिसर में एक तेंदुए की संदिग्ध मौत हुई थी, जिसके बाद उसके अंगों के साथ छेड़छाड़ की गई और सबूत मिटाने की कोशिश की गई।

इस वन्यजीव अपराध की जांच फिलहाल लंबित है और कंपनी के पट्टे निरस्त करने की मांग उठ रही है।

वन सलाहकार समिति ने परियोजना को रोकने के लिए कई आपत्तियां जताई हैं-

कंपनी ने बदले में पेड़ लगाने के लिए जो जमीन दिखाई, वह छोटे-छोटे टुकड़ों में है, जिसे समिति ने नामंजूर कर दिया। वाइल्डलाइफ विंग की आधिकारिक रिपोर्ट अभी तक जमा नहीं की गई है।

प्रस्तावित क्षेत्र से गुजर रही बिजली की ट्रांसमिशन लाइन को लेकर संबंधित विभाग से अनुमति नहीं ली गई है।

समिति ने साफ कर दिया है कि जब तक इन सभी बिंदुओं पर संतोषजनक जवाब और वन्यजीव अपराध के आरोपों पर स्थिति स्पष्ट नहीं हो जाती, तब तक खनन की अनुमति नहीं दी जाएगी। फिलहाल यह प्रोजेक्ट 'स्थगित' श्रेणी में डाल दिया गया है।